कोणार्क पर दंड का फैसला अटका, आयुक्त तक नहीं पहुंची नोटशीट

मनपा के स्वच्छता विभाग की देरी पर सवाल; ठेकेदार को संरक्षण देने का आरोप

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती. शहर की सफाई व्यवस्था का ठेका संभालने वाली कोणार्क कंपनी द्वारा कथित तौर पर अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन के मामलों में मनपा प्रशासन की कार्रवाई सवालों के घेरे में आ गई है. कंपनी पर अनुबंध के तहत लगाए जाने वाले दंड और मनपा पदाधिकारियों को शामिल कर गठित स्वच्छता अध्ययन समूह द्वारा सुझाए गए दंड-दोनों मामलों में अब तक अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है.

बताया जा रहा है कि स्वच्छता विभाग ने दंड से संबंधित नोटशीट ही मनपा आयुक्त के सामने प्रस्तुत नहीं की.

कोणार्क कंपनी को शहर की सफाई व्यवस्था संभाले करीब तीन महीने हो चुके हैं. इस दौरान काम में लापरवाही और सफाई व्यवस्था में खामियों की कई शिकायतें सामने आई हैं. इसके बावजूद अब तक दंड की प्रक्रिया पूरी नहीं होने से मनपा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं.

सवाल यह भी उठ रहा है कि दंड की नोटशीट आयुक्त के सामने आखिर क्यों नहीं रखी गई.

शुरूआत में लगाया था दंड, वसूली अब तक नहीं

कोणार्क कंपनी के खिलाफ शुरूआत में मनपा प्रशासन की ओर से दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई थी. हालांकि, वह दंड भी अब तक वसूल नहीं किया गया है. दंड की राशि और उसे तय करने की प्रक्रिया को लेकर स्पष्टता नहीं होने से मामला आगे नहीं बढ़ पाया है.शहर में जगह-जगह अस्वच्छता की स्थिति के बीच ठेकेदार कंपनी पर कार्रवाई में हो रही देरी को लेकर मनपा प्रशासन और पदाधिकारियों के सामने भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं. स्वच्छता विभाग की इस कथित लापरवाही के पीछे क्या कारण है, इसकी जांच की मांग भी उठ रही है.

दोनों पद्धतियों से दंड की राशि तय करने के निर्देश

मनपा आयुक्त डॉ. मंगेश गोंदावले ने कहा कि कोणार्क कंपनी पर अनुबंध के प्रावधानों के अनुसार दंड लगाया जाए या स्वच्छता अध्ययन समूह की सिफारिशों में दी गई शर्तों के आधार पर, इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है. संबंधित विभाग को दोनों पद्धतियों के अनुसार दंड की राशि निर्धारित करने के निर्देश दिए गए हैं. राशि तय होने के बाद ही दंड के संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा.

अलग-अलग खामियों के लिए अलग दंड की सिफारिश- गावंडे

सभागृह नेता एवं स्वच्छता अध्ययन समूह के प्रमुख चेतन गावंडे के अनुसार, एक घटना के लिए 50 हजार रुपये तक का दंड तथा अलग-अलग खामियों के लिए अलग-अलग दंड की सिफारिश की गई है. समूह ने घटनाओं की गंभीरता के आधार पर दंड तय करने का सुझाव दिया है, न कि सभी मामलों में एक समान दंड लगाने का. उन्होंने बताया कि अनुबंध की शर्तों और स्वच्छता अध्ययन समूह द्वारा तय किए गए नियमों के आधार पर दोनों दंड नोटशीट तैयार की जा रही हैं. इसके बाद प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी.

चातुर्मास शुभारंभ : साध्वीजी स्नेहाश्रीशाजी ने बताया गुरु पूर्णिमा का आध्यात्मिक महत्व

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 29 जुलाई- चातुर्मास के शुभारंभ पर साध्वीजी ने बुधवार को गुरु पूर्णिमा का महत्व बताते हुए कहा, गुरु की महिमा वास्तव में अनमोल और अपरंपार है. भारतीय संस्कृति और दर्शन में गुरु को केवल मार्गदर्शक ही नहीं, बल्कि अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला सबसे बड़ा माध्यम माना गया है.

जीवन के हर क्षेत्र में चाहे वह व्यावहारिक हो या आध्यात्मिक, आगे बढ़ने के लिए एक समर्थ गुरु की आवश्यकता होती ही है. रामकृष्ण परमहंस ने न केवल स्वामी विवेकानंद की शंकाओं को शांत किया, बल्कि उन्हें ईश्वर और सत्य का प्रत्यक्ष अनुभव भी कराया.

गुरु को उस 'शीतल छांव' की तरह माना जा सकता है, जो जीवन के संताप, मानसिक तनाव और अज्ञान की तपन को हर लेता है. गुरु वह नौका (जहाज) हैं, जो जीव को भवसागर से पार कराकर मुक्ति और मोक्ष के धाम तक पहुँचाते हैं. गुरु का मार्गदर्शन ही वह कुंजी है, जो हमारे भीतर की शक्तियों को पहचानकर हमें सही अर्थों में महानता और शांति की ओर ले जाती है.

गुरु और शिष्य का संबंध केवल हाथ थामने का नहीं, बल्कि 'समर्पण' और 'कृपा' का अटूट संगम है. जब शिष्य अपने गुरु का हाथ थाम लेता है या गुरु अपनी असीम अनुकंपा से शिष्य का हाथ पकड़ लेते हैं, तो जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल जाती हैं.

पूज्य निपुणाश्रीजी म.सा. की प्रेरणा और कृपा से दस वर्ष की अल्पायु में ही जिनवाणी के साथ जो संकल्प धारण किए थे, वे आपकी

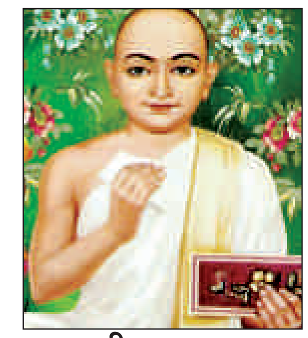

दादाबाड़ी आराधना भवन में चातुर्मास पूर्व दिवस पर दिया प्रेरक संदेश

आध्यात्मिक यात्रा की नींव हैं. द्वारा कराया गया संकल्प ही जीवन का सच्चा कवच बनता है. जिनवाणी का आलंबन ही जीव को संसार के मोह-माया के जाल से निकालकर सच्चे मार्ग पर बनाए रखता है.

पूज्य गुरुवर्या मणिप्रभाश्रीजी के केवल दर्शन हेतु पधारे पूज्य महेंद्र सागरजी म.सा. एवं मनीष सागरजी का अमरावती में दादा गुरुदेव के चरणों में समर्पित होकर दीक्षा लेना और संयमी जीवन के 25 वर्ष पूर्ण करना केवल एक कालखंड नहीं, बल्कि कठोर साधना, तप और गुरु-आज्ञा के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है. दादा गुरुदेव के प्रति उनका निष्ठा-भाव और संयम मार्ग पर उनके दृढ़ कदम हर श्रद्धालु के लिए प्रेरणापुंज हैं.

दादा गुरुदेव और पूज्य मणिप्रभाश्रीजी म.सा. के प्रति जो अगाध भक्ति और गुरु-परंपरा का सम्मान है, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है- और यही सच्चे जैन दर्शन की आत्मा है.

गुरु पूर्णिमा का वास्तविक अर्थ ही यही है कि हम गुरु के चरणों में बैठकर अपने भीतर के 'अज्ञान' को मिटाएं और 'सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन तथा सम्यक चारित्र' की ओर बढ़ें. जिनवाणी का साथ और गुरु का हाथ ही आत्मा को परमात्मा बना देता है.'

स्वस्तिक माहेश्वरी मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन 1 अगस्त को

योगिता लड्डा अध्यक्ष, सुनीता राठी सचिव और किरण गट्टानी संभालेंगी कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती. स्वस्तिक माहेश्वरी मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन एवं पदग्रहण समारोह शनिवार, 1 अगस्त को महेश भवन, में आयोजित किया जाएगा. समारोह में निवर्तमान कार्यकारिणी को सम्मानित करने के साथ ही नई कार्यकारिणी का अभिनंदन किया जाएगा. अब मंडल की जिम्मेदारी नई टीम को सौंपी जाएगी. नवगठित कार्यकारिणी में योगिता लड्डा अध्यक्ष, सुनीता राठी सचिव तथा किरण गट्टानी कोषाध्यक्ष का दायित्व संभालेंगी.

मंडल की वर्तमान कार्यकारिणी ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा गतिविधियों के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान दिया. लीला झंवर के अध्यक्ष, वर्षा राठी के उपाध्यक्ष, राधा मुंदड़ा के सचिव तथा रश्मि राठी के कोषाध्यक्ष पद पर रहते हुए मंडल ने कई सफल आयोजन किए.नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर मंडल की सदस्याओं के साथ ही माहेश्वरी समाज में भी उत्साह का वातावरण है. नई टीम के सामने मंडल की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा गतिविधियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी.पदग्रहण समारोह में माहेश्वरी समाज के वरिष्ठजन, गणमान्य अतिथि और बड़ी संख्या में सदस्याओं के उपस्थित रहने की संभावना है.

सुपर में अन्ननली के दुर्लभ कैंसर की जटिल सर्जरी

40 वर्षीय महिला की पूरी अन्ननली निकालकर पेट से बनाई गई नई अन्ननली

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती. सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल में अन्ननली के दुर्लभ कैंसर से पीड़ित 40 वर्षीय महिला की बेहद जटिल और जोखिमपूर्ण सर्जरी सफलतापूर्वक की गई. महिला नांदगांव खंडेश्वर तहसील की निवासी है. सर्जरी के बाद उसकी हालत अब बेहतर बताई जा रही है.

महिला को भोजन निगलने में काफी परेशानी हो रही थी. यहां तक कि पानी पीना भी मुश्किल हो गया था. अन्ननली में रुकावट के कारण वह उपचार हेतु सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल पहुंची.प्राथमिक जांच और आवश्यक निदान के बाद अन्ननली में कैंसर होने की पुष्टि हुई. इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने जटिल सर्जरी करने का निर्णय लिया.

महिलाओं में अन्ननली का कैंसर अपेक्षाकृत कम

अन्ननली के कैंसर के मामले हाल के वर्षों में बढ़ रहे हैं. महिलाओं में इसका प्रमाण अपेक्षाकृत कम पाया जाता है. बदलता पर्यावरण, पानी और खाद्यान्न के साथ सब्जियों व फलों में रासायनिक प्रदूषण, भागदौड़ भरी जीवनशैली, बढ़ता तनाव तथा तंबाकू और शराब की लत जैसे विभिन्न कारण कैंसर के बढ़ते मामलों में योगदान दे रहे हैं.

डॉ. अतुल यादगिरे , कैंसर विशेषज्ञ

छाती, पेट और गले में करनी पड़ी सर्जरी

यह जटिल ऑपरेशन कैंसर विशेषज्ञ डॉ. अतुल यादगिरे और उनकी सहयोगी टीम के नेतृत्व में सफलतापूर्वक किया गया. सर्जरी के दौरान मरीज की पूरी अन्ननली निकालनी पड़ी. इसके बाद पेट से नई अन्ननली तैयार कर उसका सफलतापूर्वक जोड़ किया गया.

इस प्रकार की सर्जरी में छाती, पेट और गले-तीनों स्थानों पर ऑपरेशन करना पड़ता है. इसमें अत्यधिक रक्तस्राव, महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान, संक्रमण और जान को खतरा जैसी गंभीर जटिलताओं की आशंका रहती है. इसके बावजूद विशेषज्ञ टीम ने ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा किया. सर्जरी के बाद मरीज की हालत अच्छी है.

डॉक्टरों-कर्मचारियों का योगदान

अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमोल नरोटे और विशेष कार्य अधिकारी डॉ. मंगेश मेंढे के मार्गदर्शन में कैंसर विशेषज्ञ डॉ. अतुल यादगिरे, एनेस्थेटिस्ट डॉ. राखी वानखड़े, डॉ. माधुरी गाडेकर, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. शुभांगी नरवाडे, डॉ. नित्यानंद और डॉ. वरधयिनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

इसके अलावा समाजसेवा अधीक्षक शीतल बोंडे, डॉ. पायल रोकड़े, डॉ. दिव्यानी मुंदाने तथा अधिसेविका चंदा खोडके और मालती प्रधान के मार्गदर्शन में इंचार्ज सिस्टर संगीता आष्टेकर, संध्या होले, ग्लोरी सिस्टर, प्रियंका गायकवाड़, वैष्णवी मरकाडे, सुमित्रा कोरे, वैभवी कोथळकर, ईश्वरी येवले, कल्याण नगराळे, लक्ष्मण वाळुकर, शारदा राठोड, अथर्व लोंढे, श्याम चव्हाण तथा औषधि विभाग के योगेश वाडेकर ने सहयोग दिया.

23 दिन बाद कब्र खोदकर निकाला युवक का शव

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

धारणी, 29 जुलाई- जिले की धारणी तहसील के लवादा गांव में 19 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत ने नया मोड़ ले लिया है. प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका जताते हुए मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने दफनाए गए शव को 23 दिन बाद कब्र से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम कराया.पुलिस मोबाइल चैट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही.

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आशीष कुमार उर्फ भय्यू परशुराम भिलावेकर (19) 4 जुलाई की रात घर से दादा-दादी के यहां सोने की बात कहकर निकला था. देर रात वह गांव में बेहोशी की हालत में मिला. परिजन उसे पहले स्थानीय वैद्य और फिर धारणी उपजिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. शरीर पर किसी प्रकार की बाहरी चोट के निशान नहीं होने और परिजनों की इच्छा के चलते उस समय पोस्टमार्टम नहीं कराया गया तथा 5 जुलाई को खेत में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया.

प्रेम प्रसंग में हत्या का संदेह

रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही कार्रवाई

मृतक का शव बाहर निकालकर पोस्टमार्टम कराया गया. फिलहाल आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया है. मृतक के पिता की शिकायत प्राप्त हुई है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

- अवतारसिंह चौहान, पुलिस निरीक्षक

इंस्टाग्राम चैट से युवती से संपर्क का खुलासा

कुछ दिनों बाद मृतक की बहन आराधना राकेश दहीकर ने उसका मोबाइल देखा, जिसमें इंस्टाग्राम पर गांव की एक युवती से लगातार चैटिंग मिलने के बाद प्रेम संबंध होने की जानकारी सामने आई. इसके बाद पिता परशुराम भिलावेकर ने हत्या की आशंका जताते हुए धारणी पुलिस में लिखित शिकायत देकर निष्पक्ष जांच की मांग की. शिकायत के बाद 28 जुलाई को राजस्व और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में शव को कब्र से बाहर निकालकर मौके पर ही पोस्टमार्टम कराया गया.

दिनदहाड़े घर में चोरी

वरूड, संवाददाता/प्रतिदिन अखबार, 29 जुलाई - शहर के श्रीराम नगर निवासी शिकायतकर्ता सूरज अण्णासाहेब मानकर की मां खेत से घर लौटीं. उन्होंने चप्पल स्टैंड में जूते के अंदर रखी चाबी से घर का दरवाजा खोला. जब बेडरूम में गईं तो वहां रखी लकड़ी की अलमारी का ताला खुला मिला. अलमारी की जांच करने पर उसमें रखे सोने के जेवर गायब थे. चोरी गए सामान में 8 ग्राम की सोने की चेन, दो छोटी सोने की अंगूठियां, सोने के कान के आभूषण तथा 4 ग्राम की एक अन्य सोने की चेन कुल कीमत 73 हजार रुपये बताई गई है. शिकायत पर वरूड पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

समाधा आश्रम में मनाई गुरु पूर्णिमा

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 29 जुलाई- स्थानीय दरोगा प्लाट स्थित पूज्य समाधा आश्रम में सतगुरु बाबा शिवभजन साहिब जी की असीम कृपा और वर्तमान पीठाधीश्वर स्वामी नारायणभजन साहिब जी की दया से गुरु पूर्णिमा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया. इस पावन अवसर पर आश्रम में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा और पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया.इस भव्य और आध्यात्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूज्य संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया.

महोत्सव के मुख्य आकर्षण एवं कार्यक्रम

दुग्ध स्नान अभिषेक-महोत्सव की शुरूआत सुबह 7:30 बजे पूज्य संतों के स्वरूपों पर दुग्ध स्नान अभिषेक के साथ की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया.

धार्मिक अनुष्ठान और कथा-इसके पश्चात भक्तों द्वारा झूलेलाल साईं जी के पंजड़े, झूलेलाल साईं जी की कथा और भावपूर्ण भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए गए.

आरती और बाराणा साहिब-कार्यक्रम के अगले चरण में पूज्य संतों की आरती साहिब की गई और श्रद्धापूर्वक झूलेलाल साईं जी का बाराणा साहिब पूजा की गई.

प्रसाद वितरण-अंत में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसका लाभ सभी ने लिया.

एड. परचुरे का सामाजिक कार्यकर्ता लप्पी जाजोदिया ने किया स्वागत

नूतन विदर्भ शिक्षण मंडल के नवनियुक्त विदर्भ अध्यक्ष को दी गई शुभकामनाएं

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती. नूतन विदर्भ शिक्षण मंडल के नवनियुक्त विदर्भ अध्यक्ष एड.आनंद परचुरे ने समाजसेवक चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया के निवास स्थान पर सौजन्य भेंट की. इस अवसर पर लप्पीभैया ने पुष्पगुच्छ एवं शाल भेंट कर उनका हार्दिक स्वागत एवं सत्कार किया.इस दौरान शिक्षा, सामाजिक विकास, युवाओं के सशक्तिकरण तथा समाजहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई. दोनों ने समाज एवं शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक पहल को आगे बढ़ाने तथा जनहित के कार्यों में समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श किया.इस अवसर पर नूतन विदर्भ शिक्षण मंडल के हितेश व्यास, अतुल बिजगरे, अनिरुद्ध कराडे, स्वप्निल सनय, निनाद साने, एड. क्षितिज धुंदी, अमित जाजोदिया तथा अनिकेत जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे.

प्लास्टिक के खिलाफ मनपा की विशेष मुहिम, 10,500 का जुर्माना

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती-महानगरपालिका की ओर से प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल और स्वच्छता नियमों के उल्लंघन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया. मनपा आयुक्त डॉ. मंगेश गोंदावले और अतिरिक्त आयुक्त शिल्पा नाईक के आदेश पर तथा चिकित्सा अधिकारी (स्वच्छता) डॉ. अजय जाधव और सहायक आयुक्त भुषण पुसतकर के मार्गदर्शन में झोन क्रमांक 2, राजापेठ अंतर्गत भूतेश्वर चौक से रविनगर रोड परिसर में प्लास्टिक जब्ती और डस्टबिन जांच अभियान चलाया गया.अभियान के दौरान कुल 16 प्रतिष्ठानों की जांच की गई. जांच में कुछ प्रतिष्ठानों में प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल तथा स्वच्छता नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई.कार्रवाई के दौरान महालक्ष्मी दूध डेयरी और राधेय दूध डेयरी में प्रतिबंधित प्लास्टिक पाए जाने पर दोनों प्रतिष्ठानों पर 5-5 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया. वहीं राजेश बसंतवाणी के प्रतिष्ठान में आवश्यक डस्टबिन नहीं पाए जाने पर 500 रुपये का दंड लगाया गया.

नारियल: बिक रहा 15 रुपए महंगा, बढ़ी आवक

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 29 जुलाई- आषाढ़ी पुर्णिया यानी गुरुपुर्णिमा के मौके पर नारियल की मांग बढ़ने से उसके भाव में भी तेजी आ गई है. पिछले कई दिनों से 25 रूपए में बिकने वाला नारियल बुधवार को 40 रूपए प्रति नग बोला गया. गुरु को नारियल देने की परंपरा होने के कारण शिष्यों ने गुरुपुर्णिमा पर अपने गुरु को नारियल देने का निश्चय किया था, इलसिए गुरुगुर्णिमा की पूर्व संध्या से ही बाजार में नारियल की मांग बढ़ गई.

स्वास्थ्य के बहुत ही लाभदायक होने की वजह से नारियल की उपयोगिता भी बहुत ज्यादा है. शरीर के खनिज पदार्थो, सोडियम, पोटेशियम के साथ-साथ इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को नारियल दूर कर देता है. बहुपयोगी फल को रूप में पहचान बनाने वाले नारियल को मंदिर में भगवान को अर्पित करने के साथ ही इस अपने गुरुजन को भी अर्पित करने का विधान है. शिष्य इस भाव से अपने गुरु को नारियल भेंट के रूप में देते हैं,क्योंकि नारियल स्वास्थ्य की दृष्टि से तो अच्छा है ही, साथ ही इसके सेवन से शरीर में फूर्ति शक्ति आती है.

गुरुपूर्णिमा से लेकर दीपावली तक भाव में बनी रहेगी तेजी

नारियल की मांग बढ़ने की वजह से उसके भाव में पिछले कुछ दिनों से ज्यादा ही तेजी देखी जा रही है. शहर के अलग-अलग स्थानों पर नारियल बिक्री की दुकानें सजी हुई हैं. नारियल की मांग को देखते हुए उसकी आवक भी बहुत बढ़ गई है. ज्यादा मांग के कारण नारियल के भाव में पिछले वर्ष की तुलना में 15 रूपए तेजी आ गई है, पिछले वर्ष प्रति नग का भाव 25 रुपए था, वह गुरुपुर्णिमा तथा उसके कुछ दिनों पहले से ही 40 रुपए बोला जाने लगा था,

मिली जानकारी के अनुसार शहर में गुरु पुर्णिमा की पूर्व संध्या पर पांच ट्रक नारियल की आवक हुई, ऐसी जानकारी कुछ नारियल विक्रेताओं ने दी. विक्रेताओं ने बताया कि शहर में नारियल की आवक कोकण, हैदराबाद से हुई है. बताया तो यह भी जा रहा है कि इस बार यातायात खर्च बढ़ने के कारण नारियल के भाव में तेजी आई है. गुरुपुर्णिमा को जिले में आखाड़ी के पर्व के रूप में भी जाना जाता है. इस दिन गुरु के साथ-साथ भगवान को भी नारियल अर्पित किया जाता है. बताया जा रहा है कि शहर में पिछले एक सप्ताह से नारियल की मांग काफी बढ़ गई थी, इसलिए व्यापारियों ने नारियल का भंडार अपने यहां मंगाकर रखा था. गुरुपुर्णिमा के बाद क्या नारियल की मांग खत्म हो जाएगी, ऐसा पूछने पर नारियल विक्रेताओं ने बताया कि दीपावली तक नारियल की मांग बनी रहेगी, ऐसे में जो नारियल अभी 40 रूपए प्रति नग बताया जा रहा है, वह अपने अभी के भाव पर ही बना रहेगा. दीपावली के बाद नारियल का भाव धीरे-धीरे ने अपनी पूर्व स्थिति में आ जाएगा और फिर प्रति नग 25 में नारियल बिकने लगेगा.

पोदार इंटरनेशनल स्कूल में गुरुपूर्णिमा उत्सव

नृत्य और सुरों से विद्यार्थियों ने जताया गुरुओं के प्रति आभार

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 29 जुलाई- बडनेरा रोड स्थित पोदार इंटरनेशनल स्कूल में गुरु पूर्णिमा का त्योहार बड़े ही उत्साह, भक्तिमय माहौल और कृतज्ञता की भावना के साथ मनाया गया. भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है. विद्यार्थियों में गुरुओं के प्रति आदर, कृतज्ञता और संस्कारों की भावना पैदा करने के उद्देश्य से इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती पूजन से हुई. ज्ञान की देवी माता सरस्वती की प्रतिमा का पूजन कर दीप प्रज्वलित किया गया. इसके बाद स्कूल के प्रधानाचार्य नितिन कोली ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया.

प्रधानाचार्य जी के भाषण के बाद विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए नृत्य ने कार्यक्रम में समां बांध दिया. पारंपरिक और सांस्कृतिक गीतों पर आधारित आकर्षक नृत्य के माध्यम से विद्यार्थियों ने गुरुओं के प्रति अपनी कृतज्ञता और सम्मान को बेहद सुंदर तरीके से व्यक्त किया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के प्रधानाचार्य, सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारी वर्ग का विशेष योगदान रहा.